भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3561

10.08.2026 को उत्तर के लिए

वन्यजीवों के हमलों में बढ़ोतरी

3561. एडवोकेट अदूर प्रकाशः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह** बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को केरल सहित कई राज्यों में वन्यजीवों के हमलों में हताहत मनुष्यों की बढ़ती संख्या की जानकारी है:

(ख) क्या केंद्र सरकार को मानव-पशु संघर्ष का समाधान करने के लिए केरल सहित राज्यों की ओर से वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं में आवश्यक संशोधन किए जाने संबंधी अनुरोध प्राप्त हुआ है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या केंद्र सरकार को जानकारी है कि केरल राज्य ने राज्य में मानव-पशु संघर्ष का समाधान करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने वाला एक विधेयक पारित किया है और यदि हाँ, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) क्या केंद्र सरकार स्थिति की समीक्षा करने और इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए एक राष्ट्रीय योजना तैयार करने के लिए राज्यों के वन मंत्रियों की बैठक बुलाएगी और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क): केरल सहित देश के विभिन्न भागों से मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएँ सामने आई हैं। वन्यजीवों का प्रबंधन तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष का शमन मुख्यतः संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है, जो ऐसी घटनाओं तथा उनमें शामिल वन्यजीव प्रजातियों का विवरण संधारित करते हैं।

(ख) से (ङ): मंत्रालय को वन्यजीव (संरक्षण) (केरल संशोधन) विधेयक, 2025 प्राप्त हुआ था, जिसमें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के कुछ उपबंधों में संशोधन का प्रस्ताव किया गया था, जिस पर सहमति नहीं दी गई, क्योंकि अधिनियम के वर्तमान प्रावधान ही मानव-वन्यजीव संघर्ष से संबंधित मामलों के समाधान हेतु पर्याप्त नियामक ढांचा प्रदान करते हैं।

मंत्रालय इस मुद्दे पर राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के साथ राज्य वन मंत्रियों/जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद करता है और इस दिशा में, हाल ही में मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रबंधन हेतु वैज्ञानिक और संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सलीम अली पक्षिविज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केंद्र (एसएसीओएन), भारतीय वन्यजीव संस्थान के दक्षिण भारत के केंद्र, कोयंबटूर में मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है और मानव वन्यजीव संघर्ष पोर्टल भी शुरू किया गया है, जो मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के आंकड़ों के राष्ट्रीय भंडार के रूप में एक निर्णय-समर्थन उपकरण के रूप में कार्य करता है।

*****